



चम्पारण ज्ञानाग्रह



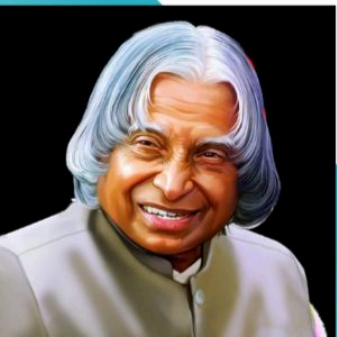
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 23 अक्टूबर 2026, अंक -383.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"धैर्य ही धर्म का आधार है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूँ ही मेरे बदन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम गरीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जड़फों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लोटगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. तुर्कमेनिस्तान की राजधानी क्या है?

उत्तर: अश्गाबात

प्रश्न 2. भारत में पहली महिला राज्यसभा सदस्य कौन थीं?

उत्तर: राधाबाई सुबारायन

प्रश्न 3. 'कच्ची घोड़ी' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य शैली है?

उत्तर: राजस्थान

प्रश्न 4. $108 \div 12 + 7$ का मान कितना होगा?

उत्तर: 16

प्रश्न 5. बिहार का 'केसरिया स्तूप' किस जिले में स्थित है?

उत्तर: पूर्वी चंपारण

प्रश्न 6. कौन-सा वृक्ष भारत का राष्ट्रीय वृक्ष है?

उत्तर: बरगद

प्रश्न 7. भाप के इंजन के विकास में किस आविष्कारक का प्रमुख योगदान माना जाता है?

उत्तर: जेम्स वाट

प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?

उत्तर: 5 वर्ष

प्रश्न 9. 'जो बहुत अधिक बोलता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: वाचाल

प्रश्न 10. पौधों में जल और खनिज लवण मुख्यतः किस ऊतक द्वारा ऊपर पहुँचते हैं?

उत्तर: जाइलम

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Judiciary - ज्यूडिशियरी - न्यायपालिका
- 2 Executive - एग्जीक्यूटिव - कार्यपालिका
- 3 Federalism - फेडरलिज़्म - संघवाद
- 4 Secularism - सेक्युलरिज़्म - धर्मनिरपेक्षता
- 5 Equality - इक्वैलिटी - समानता
- 6 Liberty - लिबर्टी - स्वतंत्रता
- 7 Fraternity - फ्रैटर्निटी - बंधुता



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "What time are you going to + V1?"

(तुम/आप ... कितने बजे करने वाले हो/हैं?)

तुम कितने बजे उठने वाले हो? – What time are you going to wake up?

तुम कितने बजे स्कूल जाने वाले हो? – What time are you going to go to school?

तुम कितने बजे खाना खाने वाले हो? – What time are you going to have lunch?

तुम कितने बजे पढ़ाई शुरू करने वाले हो? – What time are you going to start studying?

तुम कितने बजे सोने वाले हो? – What time are you going to go to bed?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. प्रतिवर्ष 23 अक्टूबर को रसायन विज्ञान में आवोगाद्रो संख्या (6.022×10^{23}) और पदार्थ की मात्रा की इकाई के सम्मान में कौन-सा अनुष्ठान वैज्ञानिक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: मोल दिवस (Mole Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 23 अक्टूबर को प्रातः 6:02 से सायं 6:02 के मध्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'मोल दिवस' (Mole Day) मनाया जाता है। यह समय और तिथि (6:02, 10/23) रसायन विज्ञान के मूलभूत नियतांक 'आवोगाद्रो संख्या' ($N_A = 6.022 \times 10^{23}$) से प्रेरित है। 1991 में अमेरिका के नेशनल मोल डे फाउंडेशन (NMDF) द्वारा इसकी शुरुआत की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं में रसायन विज्ञान के अध्ययन के प्रति रुचि जगाना तथा पदार्थ के किसी भी एक मोल में उपस्थित कणों (परमाणुओं, अणुओं या आयनों) की निश्चित संख्या के महत्व को समझाना है।

संदर्भ: National Mole Day Foundation (NMDF) Portal;

प्र.2. वर्ष 1921 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार अल्बर्ट आइंस्टीन को सापेक्षता के सिद्धांत के बजाय प्रकाशिकी के किस मूलभूत नियम की सैद्धांतिक व्याख्या हेतु प्रदान किया गया था? (समसामयिक/नोबेल विशेष)

उत्तर: प्रकाश-विद्युत प्रभाव का नियम (Law of the Photoelectric Effect)

व्याख्या: अल्बर्ट आइंस्टीन को वर्ष 1921 का 'भौतिकी का नोबेल पुरस्कार' (जो 1922 में प्रदान किया गया) उनके सैद्धांतिक भौतिकी में योगदान, विशेष रूप से 'प्रकाश-विद्युत प्रभाव के नियम की खोज' (Discovery of the Law of the Photoelectric Effect) के लिए दिया गया था। मैक्स प्लांक के क्वांटम सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुए आइंस्टीन ने 1905 में यह प्रतिपादित किया कि प्रकाश ऊर्जा के छोटे-छोटे पैकेटों (क्वांटा या फोटॉन) के रूप में चलता है। जब पर्याप्त ऊर्जा वाला फोटॉन किसी धातु की सतह से टकराता है, तो वह अपनी संपूर्ण ऊर्जा इलेक्ट्रॉन को स्थानांतरित कर देता है, जिससे इलेक्ट्रॉन धातु से बाहर उत्सर्जित होता है ($E = h\nu = \phi + K_{\max}$)। इस खोज ने आधुनिक क्वांटम यांत्रिकी और सौर सेल (सोलर पैनल) तकनीक की नींव रखी।

संदर्भ: NobelPrize.org Official Archives — Albert Einstein Facts;

प्र.3. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध निबंध-ग्रंथ है, जिसे भारतीय संस्कृति के सामाजिक, भाषाई और दार्शनिक समन्वय के अध्ययन का शिखर माना जाता है तथा जिसे 1959 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: संस्कृति के चार अध्याय (1956)

व्याख्या: 'संस्कृति के चार अध्याय' (1956) राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित आधुनिक हिंदी गद्य का एक कालजयी और वैचारिक ग्रंथ है। इस ग्रंथ की प्रस्तावना भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लिखी थी। दिनकर जी ने भारतीय संस्कृति के विकास को चार ऐतिहासिक क्रांतियों में विश्लेषित किया है: (1) आर्यों का भारत आगमन और द्रविड़ संस्कृति से उनका समन्वय, (2) वैदिक कर्मकांडों के विरुद्ध बौद्ध और जैन धर्म का उदय, (3) भारत में इस्लाम का आगमन और हिंदू-मुस्लिम सांस्कृतिक समन्वय (भक्ति आंदोलन व सूफीवाद), तथा (4) यूरोपीय संपर्क, ब्रिटिश राज और आधुनिक भारतीय पुनर्जागरण। वर्ष 1959 में इस अमर कृति को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संदर्भ: रामधारी सिंह 'दिनकर' — 'संस्कृति के चार अध्याय', साहित्य अकादमी/उदयचल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए भौगोलिक क्षेत्र में भिन्न-भिन्न पर्यावासों (इकोसिस्टम्स) के मध्य समग्र प्रजाति समृद्धि और पारिस्थितिकीय तंत्रों के पारस्परिक अंतर को किस स्तर की विविधता कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: गामा विविधता (γ -Diversity / पारिस्थितिकीय विविधता)

व्याख्या: जैव-विविधता का स्थानिक पैमानों (Spatial Scales) पर मापन सर्वप्रथम 1960 में आर. एच. व्हिट्टकर (R. H. Whittaker) द्वारा तीन स्तरों पर वर्गीकृत किया गया था: (1) 'अल्फा विविधता' (α) — किसी एक ही विशिष्ट स्थानीय पर्यावास या समुदाय के भीतर पाई जाने वाली प्रजाति विविधता; (2) 'बीटा विविधता' (β) — दो अलग-अलग पर्यावासों के बीच प्रजातियों के बदलाव (टर्नओवर) की दर; (3) 'गामा विविधता' (γ) — एक संपूर्ण व्यापक भौगोलिक क्षेत्र या लैंडस्केप के भीतर उपस्थित सभी पर्यावासों की कुल समग्र जैव-विविधता। जलवायु परिवर्तन और वनों के विखंडन से सबसे पहले सूक्ष्म पर्यावास नष्ट होते हैं, जिसका संचयी प्रभाव अंततः क्षेत्रीय गामा विविधता के क्षरण के रूप में सामने आता है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 15 "जैव विविधता एवं संरक्षण", p. 278-282;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असम के कछार और मणिपुर के सीमावर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध विद्रोही सैनिकों को संगठित करने वाले मणिपुर के विद्रोही राजकुमार कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: राजकुमार नरेंद्रजीत सिंह (सनजाहित)

व्याख्या: 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर राज्य के राजकुमार नरेंद्रजीत सिंह (जिन्हें 'सनजाहित' भी कहा जाता था) ने अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन किया। जब चटगांव (वर्तमान बांग्लादेश) की 34वीं नेटिव इन्फैंट्री के भारतीय सैनिकों ने विद्रोह कर ब्रिटिश शास्त्रागार लूटा और जंगलों के रास्ते असम-मणिपुर सीमा पर पहुंचे, तो राजकुमार नरेंद्रजीत सिंह ने उनके साथ गठबंधन किया। उन्होंने ब्रिटिश सेनापति मेजर बिंग की सेना के विरुद्ध बिंभाकाडी और कछार के भीषण युद्धों में विद्रोही सेना का नेतृत्व किया। घायल अवस्था में पकड़े जाने के उपरांत अंग्रेजों ने उन्हें आजीवन देश निकाला देकर अंडमान की सेलुलर जेल (काला पानी) निर्वासित कर दिया था।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के दक्कन पठार में कर्नाटक के पश्चिमी घाट (महाबलेश्वर के निकट) से निकलकर आंध्र प्रदेश होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली दक्षिण भारत की दूसरी सबसे लंबी पूर्व-वाहिनी नदी कौन-सी है? (भूगोल)
उत्तर: कृष्णा नदी (Krishna River)

व्याख्या: कृष्णा नदी प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे बड़ी पूर्व-वाहिनी नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1,400 किलोमीटर है। इसका उद्गम महाराष्ट्र के सतारा जिले में पश्चिमी घाट के महाबलेश्वर के समीप एक झरने से होता है। इसका जल-अपवाह बेसिन महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में विस्तृत है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में तुंगभद्रा, कोयना, भीमा, घाटप्रभा, मालप्रभा, मूसी और मुन्नूरू शामिल हैं। इस नदी पर 'नागार्जुन सागर बांध', 'श्रीशैलम बांध' और 'अल्लमट्टी बांध' जैसी देश की विशाल जलविद्युत व सिंचाई परियोजनाएं निर्मित हैं। यह विजयवाड़ा के निकट एक विशाल उपजाऊ डेल्टा बनाती हुई बंगाल की खाड़ी में विसर्जित होती है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 21-23;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य विधानमंडल द्वारा पारित किसी विधेयक को राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित (Reserve for President's Consideration) रखने की असाधारण शक्ति प्रदान करता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 201 (Article 201)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्य विधानमंडल की विधायी प्रक्रिया के अंतर्गत 'अनुच्छेद 200 और अनुच्छेद 201' केंद्र-राज्य संबंधों में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अनुच्छेद 200 के तहत जब राज्य विधानमंडल का कोई विधेयक राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो राज्यपाल उसे स्वीकृति दे सकते हैं, रोक सकते हैं, या राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित कर सकते हैं (यदि विधेयक उच्च न्यायालय की शक्तियों को कम करता हो तो ऐसा करना अनिवार्य है)। इसके उपरांत 'अनुच्छेद 201' के तहत राष्ट्रपति यह घोषित कर सकते हैं कि वे विधेयक पर अनुमति देते हैं या अनुमति रोक लेते हैं; वे राज्यपाल को यह निर्देश भी दे सकते हैं कि विधेयक को राज्य विधानमंडल को पुनर्विचार हेतु लौटा दिया जाए।
संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 200 & Article 201; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 5 "विधायिका" एवं Ch 7 "संघवाद", p. 110-114 एवं 158-162;

प्र.8. वाहनों में पीछे का ट्रैफिक देखने हेतु 'रियर-व्यू मिरर' (पश्च-दृष्टि दर्पण) के रूप में उत्तल दर्पण का ही उपयोग क्यों किया जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: सीधा व छोटा प्रतिबिंब बनाना और दृष्टि-क्षेत्र (Field of View) बहुत विस्तृत होना

व्याख्या: वाहनों में पश्च-दृष्टि दर्पण (Rear-View Mirror) के रूप में उत्तल दर्पण (Convex Mirror) को प्राथमिकता दिए जाने के दो अनिवार्य वैज्ञानिक कारण हैं: (1) उत्तल दर्पण अपने सम्मुख रखी किसी भी दूरी की वस्तु का सदैव 'सीधा' (Erect) और आभासी प्रतिबिंब बनाता है, यद्यपि प्रतिबिंब आकार में छोटा (Diminished) होता है; (2) उत्तल दर्पण बाहर की ओर वक्रित (Curved Outwards) होता है, जिसके कारण इसका 'दृष्टि-क्षेत्र' (Field of View) समतल दर्पण या अवतल दर्पण की तुलना में कई गुना अधिक विस्तृत होता है। इससे चालक अपने पीछे सड़क के एक बहुत बड़े भूभाग, तेज गति से आ रहे वाहनों और ट्रैफिक को एक छोटे से दर्पण में स्पष्ट देख पाता है, जिससे सुरक्षित ड्राइविंग सुनिश्चित होती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 180-182;

प्र.9. 7वीं शताब्दी में पल्लव सम्राट महेंद्रवर्मन प्रथम और नरसिंहवर्मन प्रथम द्वारा तमिलनाडु के महाबलीपुरम में समुद्र तट पर अखंड ग्रेनाइट चट्टानों को तराशकर बनाए गए 'पंच पांडव रथ' किस स्थापत्य शैली के उदाहरण हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: पल्लव एकात्म रथ शैली (Monolithic Rock-cut Architecture)

व्याख्या: महाबलीपुरम (मामल्लपुरम) के 'पंच रथ' (जिन्हें पांडव रथ भी कहा जाता है) 7वीं शताब्दी के मध्य पल्लव राजवंश के सम्राट नरसिंहवर्मन प्रथम 'महामल्ल' के शासनकाल में निर्मित अखंड पाषाण स्थापत्य के बेजोड़ कीर्तिमान हैं। इन पांच रथों (धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, नकुल-सहदेव रथ और द्रौपदी रथ) को किसी ईंट या चूने से नहीं जोड़ा गया, बल्कि समुद्र तट पर खड़ी गुलाबी ग्रेनाइट की चट्टानों को ऊपर से नीचे की ओर तराशकर एकात्म (Monolithic) मंदिरों का रूप दिया गया है। इनमें धर्मराज रथ सबसे विशाल व बहुमंजिला पिरामिडनुमा है तथा द्रौपदी रथ झोपड़ीनुमा (कुटीर आकार) है। रथों के समीप ही तराशी गई नंदी, सिंह और हाथी की अखंड मूर्तियां द्रविड़ शैली के प्रारंभिक विकास का उत्कृष्ट प्रमाण हैं। 1984 में इन्हें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 80-83;

प्र.10. 1920 के असहयोग आंदोलन के दौरान बिहार के पटना में राष्ट्रीय चेतना के प्रसार और हिंदू-मुस्लिम एकता को सुदृढ़ करने हेतु मौलाना मजहरुल हक द्वारा किस विख्यात समाचार पत्र का प्रकाशन आरंभ किया गया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: द मदरलैंड (The Motherland)

व्याख्या: मौलाना मजहरुल हक (1866-1930) बिहार में राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के शीर्षस्थ धर्मनिरपेक्ष जननायक थे। असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने पटना के कुर्जी में अपनी भूमि दान देकर 'सदाकत आश्रम' की स्थापना की। इसी सदाकत आश्रम परिसर से उन्होंने 30 सितंबर 1921 को 'द मदरलैंड' (The Motherland) नामक एक अंग्रेजी साप्ताहिक समाचार पत्र का प्रकाशन और संपादन प्रारंभ किया। इस पत्र का मुख्य उद्देश्य स्वाधीनता आंदोलन के कार्यक्रमों का प्रचार, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, घरखा-खादी का प्रसार और हिंदू-मुस्लिम एकता की रक्षा करना था। अपनी निर्भीक और तीखी ब्रिटिश-विरोधी संपादकीय टिप्पणियों के कारण ब्रिटिश सरकार ने मौलाना मजहरुल हक पर राजद्रोह का मुकदमा चलाकर उन्हें तीन महीने के कारावास की सजा सुनाई थी।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; Dr. K. K. Datta - 'History of Freedom Movement in Bihar';



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W3 – दीपावली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव) के अनुसार पटाखों में हरा और चटक लाल रंग उत्पन्न करने हेतु किन विषैले रासायनिक तत्वों का उपयोग किया जाता है, और पटाखा विस्फोट से कान के पर्दे (Tympanic Membrane) को फटने से बचाने हेतु ध्वनि तीव्रता की क्या सुरक्षित सीमा निर्धारित है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: हरा रंग: बेरियम; लाल रंग: स्ट्रॉटियम; ध्वनि सीमा: 125 डेसिबल (dB) से कम
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W3: दीपावली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार: (1) आतिशबाजी में प्रयुक्त विषैले तत्व – पटाखों में आकर्षक रंगों के लिए भारी धातुओं के लवण मिलाए जाते हैं; चटक 'हरा रंग' उत्पन्न करने के लिए अत्यंत विषैला 'बेरियम नाइट्रेट' प्रयुक्त होता है (जो श्वसन तंत्र को लकवाग्रस्त और हृदय गति को अनियमित करता है); 'लाल रंग' के लिए 'स्ट्रॉटियम लवण', 'नीला रंग' के लिए 'कॉपर क्लोराइड' तथा घमक के लिए 'एल्युमिनियम और मैग्नीशियम पाउडर' मिलाया जाता है, जिनके धुएं से फेफड़ों में स्थायी फाइब्रोसिस हो सकता है; (2) ध्वनि प्रदूषण व श्रवण सुरक्षा – ध्वनि नियमों के अनुसार आवासीय क्षेत्रों में पटाखों की ध्वनि तीव्रता 4 मीटर की दूरी पर 125 डेसिबल (dB(A)) से अधिक नहीं होनी चाहिए; 140 dB से अधिक का अचानक तीव्र धमाका कान के पर्दे (इयरड्रम) को फाड़ सकता है और बच्चों व बुजुर्गों में स्थायी बहुराजन (Acoustic Trauma) ला सकता है; (3) सुरक्षा नियम – अत्यधिक शोर वाले पटाखों (जैसे सुतली बम या लड़ी) से बचें, केवल CSIR-NEERI द्वारा प्रमाणित 'ग्रीन क्रैकर्स' (SWAS, STAR, SAFAL) का ही सीमित उपयोग करें, तथा पटाखे जलाते समय कानों में रूई या ईयरप्लग का प्रयोग करें।
संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W3 – "दीपावली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी";



प्र.12. एक घनाभ (Cuboid) की लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई का अनुपात 5:4:2 है तथा उसका कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल (Total Surface Area) 1,216 वर्ग सेमी है। बताइए उस घनाभ का आयतन (Volume) कितने घन सेंटीमीटर होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीजनिंग)
उत्तर: 2,560 घन सेमी
व्याख्या: यह घनाभ के पृष्ठीय क्षेत्रफल, अनुपातिक संबंधों और आयतन के सूत्र पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है। माना कि घनाभ की लंबाई (l) = 5x, चौड़ाई (b) = 4x, तथा ऊंचाई (h) = 2x सेमी है। घनाभ के कुल पृष्ठीय क्षेत्रफल (TSA) का सूत्र: $\text{TSA} = 2(lb + bh + hl)$ यहाँ दिया गया है: $\text{TSA} = 1,216$ (वर्ग सेमी)। मान प्रतिस्थापित करने पर: $1,216 = 2(5x \times 4x + 4x \times 2x + 2x \times 5x)$, $1,216 = 2(20x^2 + 8x^2 + 10x^2)$, $1,216 = 2(38x^2)$, $1,216 = 76x^2$, पक्षान्तरण करने पर: $x^2 = 1,216 / 76 = 16$, $x = \sqrt{16} = 4$ सेमी। अब तीनों विमाओं के वास्तविक मान: लंबाई (l) = 5 $\times$ 4 = 20 (सेमी) चौड़ाई (b) = 4 $\times$ 4 = 16 (सेमी) ऊंचाई (h) = 2 $\times$ 4 = 8 (सेमी) (जोच: $\text{TSA} = 2(20 \times 16 + 16 \times 8 + 8 \times 20) = 2(320 + 128 + 160) = 2(608) = 1,216$ (वर्ग सेमी))। अब, घनाभ का आयतन (V) = लंबाई $\times$ चौड़ाई $\times$ ऊंचाई, $V = 20 \times 16 \times 8$, $V = 320 \times 8 = 2,560$ (घन सेमी)। अतः उस घनाभ का अभीष्ट आयतन ठीक 2,560 घन सेंटीमीटर होगा।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 11 "क्षेत्रमिति" (Mensuration - Surface Area & Volume of Cuboid), p. 174-178;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Apocryphal (अपॉक्रिफल) = Unverified (अनवेरिफाइड) = अप्रमाणित / संदिग्ध
Antonym - Authentic (ऑथेन्टिक) = प्रामाणिक / असली
2. Clandestine (क्लैन्डेस्टिन) = Secret (सीक्रेट) = गुप्त / छिपा हुआ
Antonym - Open (ओपन) = खुला / सार्वजनिक
3. Didactic (डाइडैक्टिक) = Instructive (इन्स्ट्रक्टिव) = शिक्षाप्रद / उपदेशात्मक
Antonym - Uninstructive (अनइन्स्ट्रक्टिव) = अशिक्षाप्रद / जानकारी न देने वाला
4. Garrulous (गैरुलस) = Talkative (टॉकटिव) = बहुत बोलने वाला / वाचाल
Antonym - Taciturn (टैसिटर्न) = अल्पभाषी / कम बोलने वाला
5. Incontrovertible (इनकॉन्ट्रवर्टिबल) = Indisputable (इन्डिस्प्यूटेबल) = निर्विवाद / जिससे झुठलाया न जा सके
Antonym - Debatable (डिबेटेबल) = विवादास्पद / जिस पर बहस हो सके

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



India and Poland agree to set up Defence Industry Dialogue; aim to double trade by 2030

हिन्दी अनुवाद: भारत और पोलैंड रक्षा उद्योग संवाद स्थापित करने पर सहमत; 2030 तक व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने हैदराबाद हाउस में बातचीत की। दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत और पोलैंड ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। UPSC/BPSC के लिए: Defence Industry Dialogue — रक्षा उद्योग संवाद; India-Poland Strategic Partnership — भारत-पोलैंड रणनीतिक साझेदारी; Bilateral trade — द्विपक्षीय व्यापार।

India's defence production reaches ₹1.80 lakh crore; defence exports hit record ₹38,424 crore

हिन्दी अनुवाद: भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचा; रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये हुए।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुँचा है। भारत अब पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Defence production — रक्षा उत्पादन; Defence exports — रक्षा निर्यात; Indigenisation — स्वदेशीकरण।

Ministry of Defence signs ₹770 crore contract for improved low level light weight radars for Indian Army

हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों की खरीद के लिए 770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया।
रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों (LLLR-I) की खरीद के लिए 770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। यह अनुबंध सेना की वायु निगरानी क्षमताओं को बढ़ावा देगा। UPSC/BPSC के लिए: Improved Low Level Light Weight Radar — उन्नत निम्न स्तरीय हल्का रडार; Indian Army — भारतीय सेना; Defence procurement — रक्षा खरीद।

INTERNATIONAL NEWS

IRGC threatens US bases if tankers continue 'illegal' routes through Hormuz; claims attacks on 4 vessels in Persian Gulf

हिन्दी अनुवाद: IRGC ने कहा कि टैंकर होर्मुज़ से 'अवैध' रास्ते से गुजरते रहे तो अमेरिकी ठिकानों पर हमला करेगा; फारस की खाड़ी में 4 जहाजों पर हमलों का दावा।
ईरान के इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने चेतावनी दी कि यदि वाशिंगटन जहाजों को खनित जलमार्गों से अवैध रूप से गुजरने के लिए प्रोत्साहित करती रही तो वह संघर्ष को क्षेत्रीय अमेरिकी ठिकानों तक बढ़ाएगा। IRGC ने फारस की खाड़ी में चार जहाजों पर हमलों का दावा किया। UPSC/BPSC के लिए: IRGC — इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स; Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; Freedom of navigation — नौवहन की स्वतंत्रता।

US pulls diplomats from Saudi Arabia as it reportedly readies Iran strikes after midterms; Brent crude hits highest since May

हिन्दी अनुवाद: अमेरिका ने सऊदी अरब से राजनयिकों को वापस बुलाया क्योंकि उसने मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर हमलों की तैयारी की खबर दी; Brent क्रूड मई के बाद से उच्चतम स्तर पर।

अमेरिका ने सऊदी अरब से राजनयिकों को वापस बुला लिया है क्योंकि उसने मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर हमलों की तैयारी की है। Brent क्रूड स्प्यूचर्स मई के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुँच गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: Brent crude — ब्रेंट क्रूड तेल; Midterm elections — मध्यावधि चुनाव; Diplomatic withdrawal — राजनयिक वापसी।

Saudi Arabia says one dead, eight injured in attack on King Fahd International Airport in Dammam; Houthi attacks continue

हिन्दी अनुवाद: सऊदी अरब ने कहा कि दम्माम के किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले में एक की मौत, आठ घायल; हूथी हमले जारी।
सऊदी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, दम्माम के किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई और आठ अन्य घायल हुए। हूथी हमलों से सऊदी सैन्य और तेल बुनियादी ढांचे को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। UPSC/BPSC के लिए: King Fahd International Airport — किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा; Houthi rebels — हूथी विद्रोही; Saudi civil aviation authority — सऊदी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण।

BIHAR NEWS

Bihar floods affect nearly 50 lakh people across 15 districts; CM transfers ₹112 crore relief via DBT to over 1.6 lakh families

हिन्दी अनुवाद: बिहार में 15 जिलों में लगभग 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित; CM ने 1.6 लाख से अधिक परिवारों को DBT के जरिए 112 करोड़ रुपये की राहत भेजी।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, पटना, भोजपुर और सारण सहित 15 जिलों में 49.67 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 1,60,201 प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में 112.14 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के जरिए भेजी। राज्य सरकार ने प्रति परिवार 7,000 रुपये की सहायता देने की व्यवस्था की है। UPSC/BPSC के लिए: DBT — प्रत्यक्ष लाभ अंतरण; Disaster Management Department — आपदा प्रबंधन विभाग; Flood relief — बाढ़ राहत।

Bihar boat tragedy: 13 children dead after boat capsizes in Ganga in Vaishali; PM announces ₹2 lakh ex-gratia, CM announces ₹4 lakh

हिन्दी अनुवाद: बिहार नाव दुर्घटना: वैशाली में गंगा में नाव पलटने से 13 बच्चों की मौत; PM ने 2 लाख रुपये की ex-gratia, CM ने 4 लाख रुपये की घोषणा की।

वैशाली जिले के हाजीपुर के रामपुर श्यामचंद गाँव के पास गंगा नदी में नाव पलटने से कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये की ex-gratia और घायलों के लिए 50,000 रुपये की सहायता की घोषणा की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजनों के लिए 4 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की। SDRF ने गंगा नदी में खोज-बचाव अभियान शुरू किया है। UPSC/BPSC के लिए: Boat capsizes — नाव पलटना; Ex-gratia — अनुग्रह राशि; SDRF — राज्य आपदा मोचन बल।

SPORTS NEWS

India vs West Indies 5th T20I washed out due to rain; series ends 2-2

हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम वेस्टइंडीज़ पाँचवां T20I बारिश के कारण रद्द; श्रृंखला 2-2 से समाप्त।

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण पाँचवां T20I रद्द हो गया। श्रृंखला 2-2 से बराबर रही। दोनों टीमों ने श्रृंखला ट्रॉफी साझा की। UPSC/BPSC के लिए: T20I — ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; M. Chinnaswamy Stadium — एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम।

India and West Indies share T20 series trophy after rain ruins decider

हिन्दी अनुवाद: बारिश ने निर्णायक मैच बर्बाद किया, भारत और वेस्टइंडीज़ ने T20 श्रृंखला ट्रॉफी साझा की।

पाँच मैचों की T20 श्रृंखला का निर्णायक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। श्रृंखला 2-2 से बराबर रही। दोनों टीमों ने श्रृंखला ट्रॉफी साझा की। UPSC/BPSC के लिए: Series decider — श्रृंखला निर्णायक; Five-match series — पाँच मैचों की श्रृंखला।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“भारत-पोलैंड: रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा में नया साझेदारी”

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलिश प्रधानमंत्री डॉनाल्ड टस्क ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। भारत और पोलैंड ने रक्षा

उद्योग संवाद स्थापित करने पर सहमति जताई है।

यह घटना जापान की है। एक बार रात के समय एक चोर एक सेठ के घर चोरी करने घुसा। घर में मालिक को सोता हुआ पाकर चोर ने कीमती चीजों को एक सूटकेस में जमा करना शुरू कर दिया। जब सूटकेस में जगह खाली पाकर उसने पुस्तकों को भी नहीं छोड़ा।

तभी अचानक सेठ की आँख खुल गई। दूसरे कमरे में हो रही खटपट से वह समझ गया कि जरूर दाल में कुछ काला है। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। टेलीफोन भी चोर वाले कमरे में ही था।

जब कुछ न सूझा तो सेठ ने पलंग के पास रखे ग्रामोफोन पर जापान के राष्ट्रीय गान का रिकॉर्ड लगा दिया। चोर ने जब अपने देश के राष्ट्रीय गान की धुन सुनी तो वह एकदम सावधान की मुद्रा में खड़ा हो गया। सेठ ने मौका पाकर रस्सी से चोर के हाथ-पाँव बाँध दिए और पुलिस को फोन कर दिया। इस तरह पुलिस ने आकर चोर को गिरफ्तार कर लिया।

बाद में जब गवाही के लिए सेठ को भी अदालत में बुलाया गया तो सेठ ने चोर को चतुराई से पकड़ने की सारी कहानी अदालत के सामने बयान कर दी। चोर के राष्ट्रप्रेम को देखकर अदालत में उपस्थित जनसमूह दंग रह गया। अदालत ने फैसला सुनाया, “इतना बड़ा राष्ट्रभक्त! किसी की मजबूरी को जाने बिना सजा देना भी गुनाह है। इसलिए इसे बाइज्जत बरी किया जाता है।”

मगर अदालत में बैठे सभी दर्शक एक बार फिर चौंक उठे, जब अदालत ने सेठ को राष्ट्रीय गान का अपमान करने के अपराध में दो वर्ष की कैद सुनाई, क्योंकि वह राष्ट्रीय गान बजने के समय सावधान की मुद्रा में न खड़ा रहकर चोर को बाँधने में लगा हुआ था।



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-22

सोचो... समझो... हल करो...

	5	3		6			8	
		1						
			2	8		3		
5		8		4	7			
					6			3
2	1							
	6	4		3				
9								
			7		5			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"खुद वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

— महात्मा गांधी

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

7	6	3	4	8	9	1	8	2
8	2	1	6	7	3	9	6	4
5	4	9	2	5	1	3	7	6
6	3	8	9	4	7	8	2	1
4	9	7	1	2	6	5	8	3
2	1	6	3	5	8	7	4	9
1	5	4	5	3	2	5	9	7
9	7	6	9	1	4	2	3	8
3	8	2	7	9	6	4	1	5

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 6, श्लोक 5
उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥

"डिकोड"

सरल हिन्दी अर्थ:

मनुष्य को चाहिए कि वह अपने मन (और बुद्धि) द्वारा अपना उद्धार (उत्थान) करे, अपने आपको पतन या अवसाद (निराशा) के गर्त में न गिरने दे। क्योंकि मनुष्य स्वयं ही अपना सबसे बड़ा मित्र है और स्वयं ही अपना सबसे बड़ा शत्रु है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ व्यक्तिगत उत्तरदायित्व (Personal Accountability & Self-Reliance) का शाश्वत सिद्धांत समझा रहे हैं। हमारी खुशी, असफलता, तनाव या सफलता के लिए बाहरी दुनिया या परिस्थितियाँ उतनी जिम्मेदार नहीं हैं, जितना हमारा अपना दृष्टिकोण है:

- स्वयं अपना मित्र (Your Inner Ally): जब आपका मन अनुशासित होता है, सकारात्मक सोचता है और कठिन समय में आपको संबल देकर आगे बढ़ाता है, तब आप स्वयं अपने सबसे अच्छे मित्र बन जाते हैं।
- स्वयं अपना शत्रु (Your Worst Enemy): जब आपका मन नकारात्मक विचारों, आत्म-संदेह (Self-Doubt), टालमटोल (Procrastination) और अत्यधिक पश्चाताप में डूबकर आपको निष्क्रिय बना देता है, तब किसी बाहरी दुश्मन की ज़रूरत नहीं पड़ती; आपका अपना ही मन आपका सबसे घातक शत्रु बन जाता है।
- नात्मानमवसादयेत् (Never Give Up on Yourself): भगवान स्पष्ट निर्देश देते हैं कि किसी भी विफलता या संकट आए, कभी भी खुद को हीन मानकर हताशा की खाई में मत गिरने दीजिए।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏





मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेगी, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो एक नया पाठ्यक्रम है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ • बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालक सम्मने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालक हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बस रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनवैशेषी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालक का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसलन केंद्र बगहा दो • जगन्नाथ

राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतियोगिता पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृतिक मॉडल से सशोषण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'संस्कृतिक मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ती है शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

संस्कृतिक रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संकल्प पर विशेष और पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ फोकस कर रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

स्वाभिमान और ईमानदारी के प्रतीक: लाल बहादुर शास्त्री

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे प्रधानमंत्री के बारे में सुना है, जो देश के सबसे बड़े पद पर रहने के बाद भी बिल्कुल साधारण धोती-कुर्ता पहनते थे और जिनके पास अपने नाम पर एक पक्का मकान तक नहीं था? आज हम आज़ाद भारत के दूसरे प्रधानमंत्री की प्रेरक कहानी सुनेंगे, जिन्होंने पूरे देश को "जय जवान, जय किसान" का अमर नारा देकर आत्मविश्वास से भर दिया था। वे थे हमारे प्यारे लाल बहादुर शास्त्री! शास्त्री जी का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय (वर्तमान पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर) के एक अत्यंत साधारण कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री शारदा प्रसाद श्रीवास्तव एक ईमानदार प्राथमिक शिक्षक थे और माता श्रीमती रामदुलारी देवी अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण और स्वाभिमानी महिला थीं। घर में सब नन्हे बालक को लाड़ से 'नन्हे' कहकर पुकारते थे।

जब नन्हे मात्र डेढ़ वर्ष के थे, तभी उनके पूज्य पिताजी का देहांत हो गया। इसके बाद उनकी माँ अपने बच्चों को लेकर अपने मायके मिर्ज़ापुर आ गईं। नन्हे का बचपन बहुत अभावों और गरीबी में बीता, पर उनके संस्कार बहुत ऊँचे थे। उनके बचपन की एक घटना बहुत प्रसिद्ध है। स्कूल जाने के लिए उन्हें गंगा नदी पार करनी पड़ती थी। कई बार उनके पास नाव वाले को देने के लिए एक पैसा भी नहीं होता था। स्वाभिमानी नन्हे किसी से पैसे माँगने या मुफ्त में नाव पर बैठने के बजाय अपना बस्ता सिर पर बाँध लेते थे और तैरकर गंगा पार करके स्कूल पहुँचते थे। काशी विद्यापीठ से दर्शनशास्त्र में प्रथम श्रेणी में स्नातक करने पर उन्हें 'शास्त्री' की उपाधि मिली, जो आगे चलकर उनके नाम की पहचान बन गई।

महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर शास्त्री जी केवल सत्रह वर्ष की उम्र में आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े। उन्होंने कुल मिलाकर नौ वर्ष जेल की सलाखों के पीछे काटे। आज़ादी के बाद वे देश के रेल मंत्री बने। जब दक्षिण भारत के अरियालुर में एक रेल दुर्घटना हुई, तो नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए उन्होंने तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे दिया। ऐसा त्याग और ईमानदारी इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है।

पंडित नेहरू के बाद 1964 में जब वे देश के प्रधानमंत्री बने, तो उनका कद भले ही छोटा था, पर उनके इरादे चट्टान जैसे मजबूत थे। जब 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, तो शास्त्री जी ने सेना को कड़े निर्देश दिए और भारतीय जवानों ने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए। उस समय देश में अन्न का संकट था, तो उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे सप्ताह में एक दिन उपवास रखें। लेकिन जनता से कहने से पहले उन्होंने अपने परिवार में यह उपवास रखकर देखा कि उनके बच्चे भूखे रह सकते हैं या नहीं। उनके एक आह्वान पर करोड़ों देशवासियों ने सोमवार की शाम भोजन छोड़ दिया। 11 जनवरी 1966 को ताशकंद में इस महान कर्मयोगी ने अंतिम साँस ली। मरणोपरांत उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से विभूषित किया गया। प्यारे बच्चों, लाल बहादुर शास्त्री का जीवन हमें सिखाता है कि सादगी और सच्चाई ही मनुष्य का सबसे बड़ा गहना है; परिस्थितियाँ चाहे जैसी हों, हमेशा ईमानदारी की राह पर चलो।



.....
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





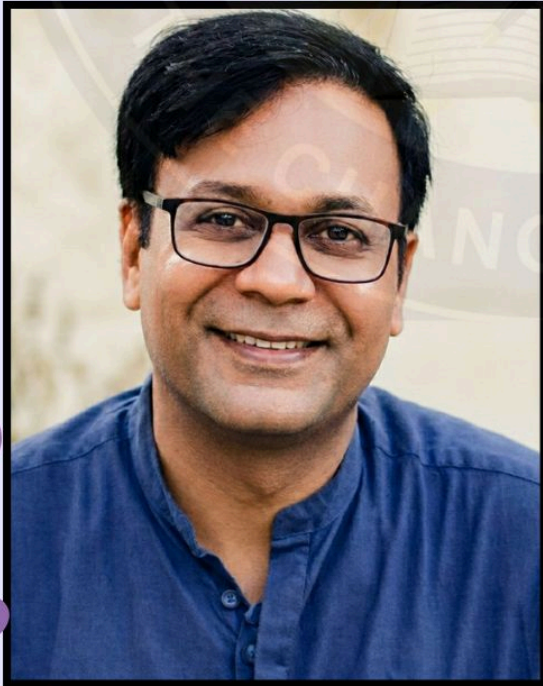
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

आपकी प्रगति या पतन की चाबी किसी और के हाथ में नहीं,
आपके अपने हाथ में है। अपने सबसे बड़े आलोचक बनने के
बजाय अपने सबसे सच्चे मार्गदर्शक और मित्र बनिएं।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

